CENTRAL UNIVERSITY OF RAJASTHAN
DEPARTMENT OF ECONOMICS
International Conference of Economics
on
"Growth, Resilience and Sustainability in an Uncertain World"

In association with Indian Council of Social Science Research

April 11 and 12, 2023

Inaugural Session

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Rajasthan
Department of Economics
in association with
Indian Council of Social Science Research (ICSSR)
TWO DAY CONFERENCE ON
GROWTH, RESILIENCE AND SUSTAINABILITY IN AN UNCERTAIN WORLD
BY DR. NICOLE BISSESSAR
and investment

Conference Abstract Book Release

Felicitation of the Guests by Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Anand Bhalerao Ji

Felicitation of the Guests

Address by Chief Guest Prof. N.R. Bhanumurthy and Guest of Honor Prof. Nicole Bissessar

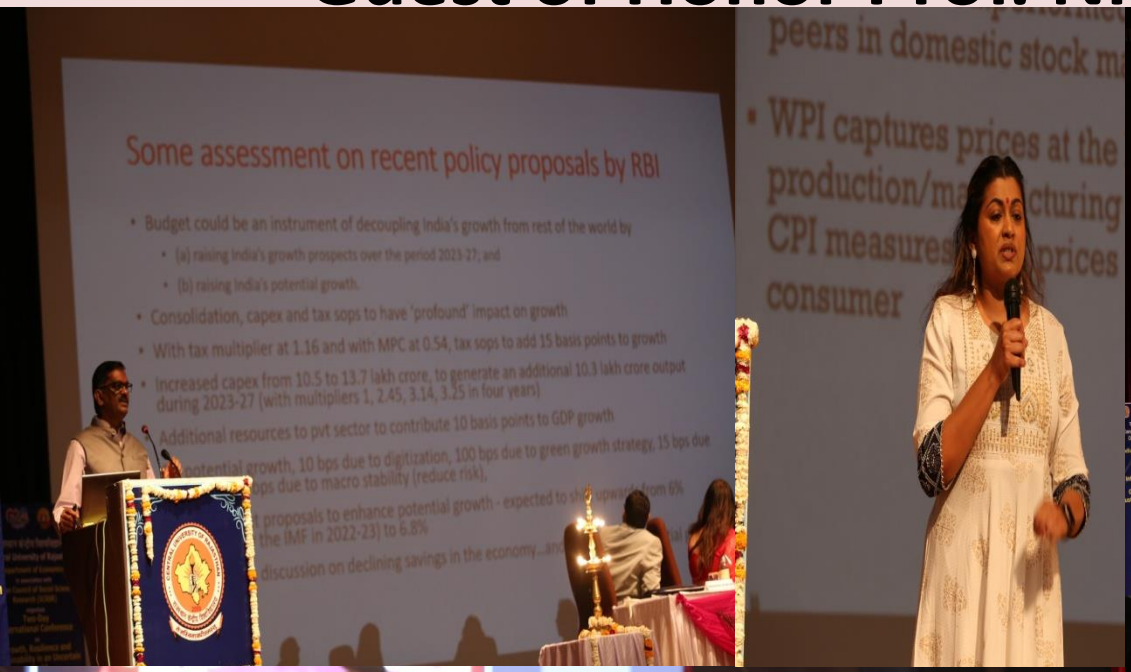

Chief Speaker Session: Prof. Mukul G Asher, Session Chair by Prof. Manju Singh

Chief Speaker Session: Prof. Charles Yuji Horioka, Session Chair by Prof. Alpana Kateja

Technical Session: Session Chair by Dr. Sanja Samirana Pattnayak, IIM Sirmaur

Keynote Session By Prof. Amaresh Samantaraya , Session Chair by Prof. Uma Shankar Mishra

Keynote Session: Prof. Tapas Mishra, Session Chair by Prof. Jitendra Kumar

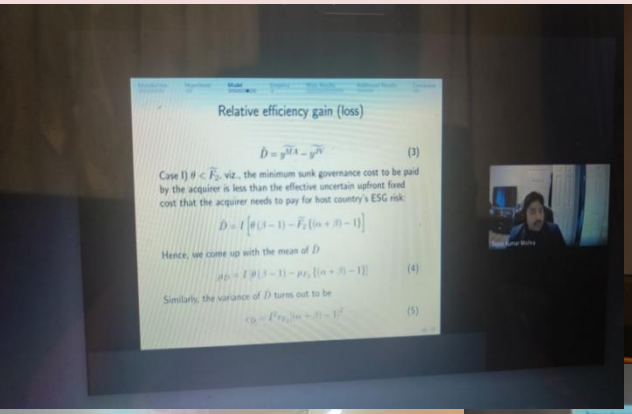

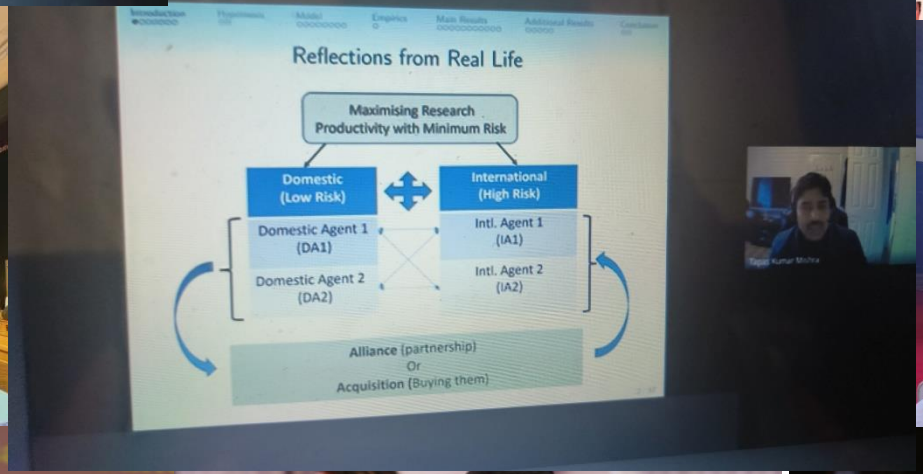

Technical Session Chaired by Dr. Sanjay Kumar Garg

Technical Session Chaired by Dr. Ghanshyam Pandey, SRM University, Andhra Pradesh

Technical Sessions in Hybrid Mode Chaired by Dr. Aprarajita Biswal, Odisha

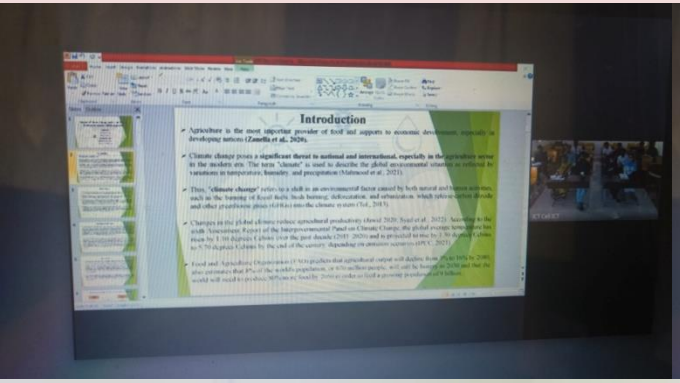

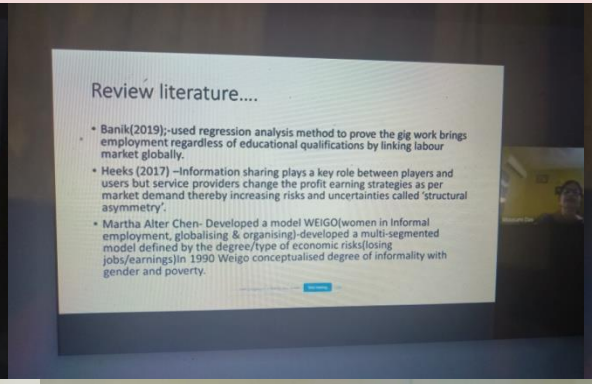

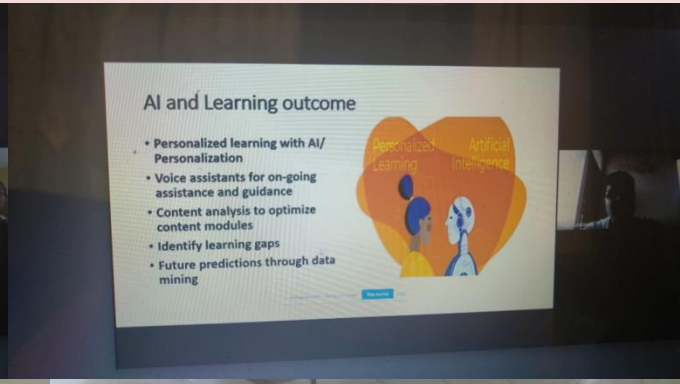

Technical Session Chaired by Dr. Ranjan Aneja, Central University of Haryana

Technical Session Chaired by Dr. Subhasis Bhadra and Dr. Pramod Kamble

Technical Session Chaired by Dr. S. Kandasamy and Dr. Kumar Sambhav Pareek

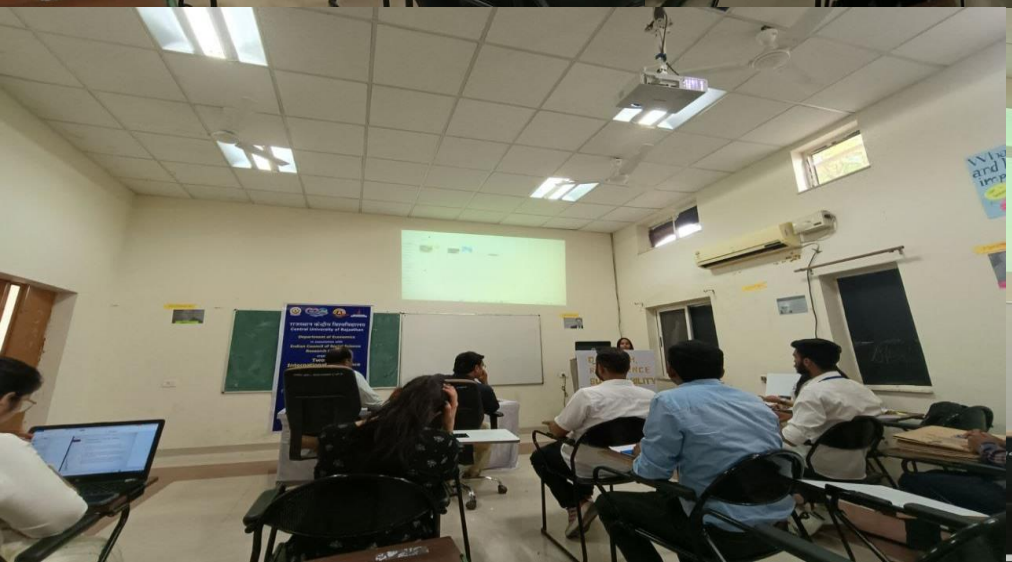

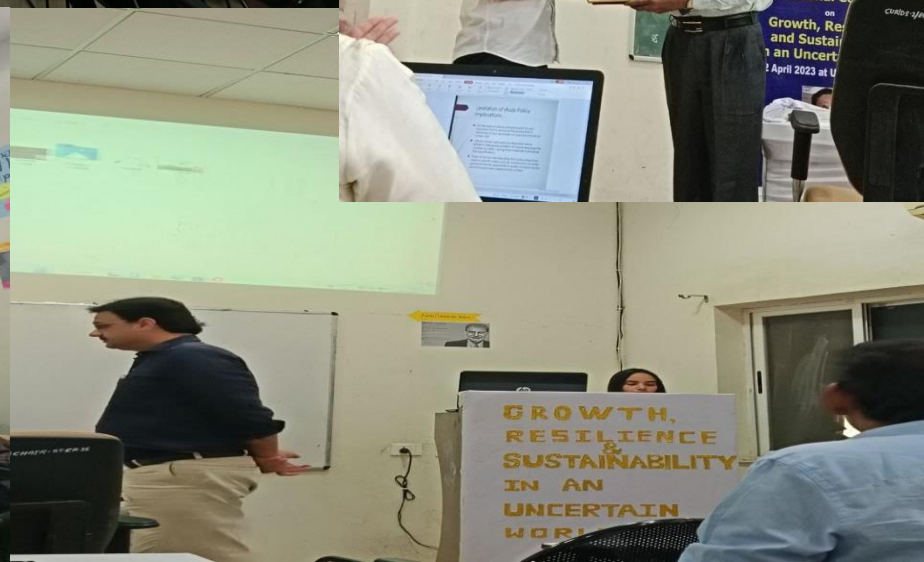

Technical Session in Hybrid Mode

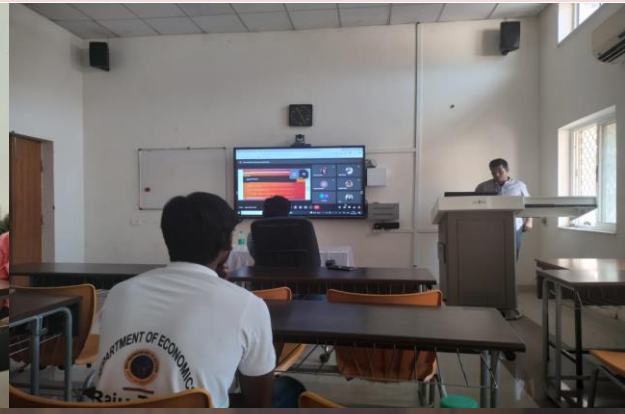

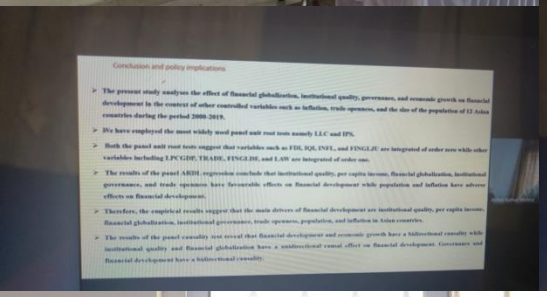

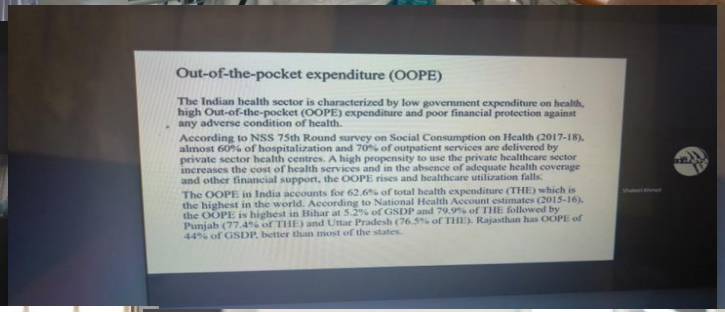

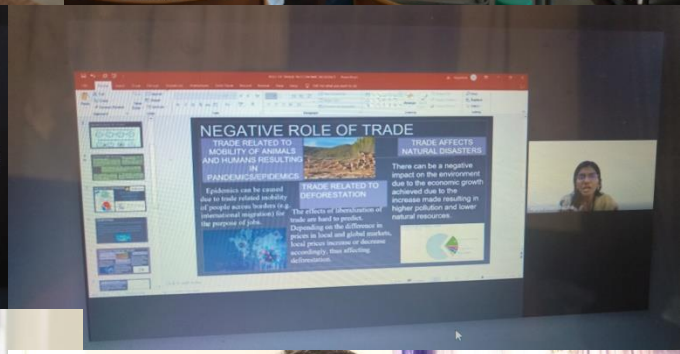

Technical Session Chaired by Prof. Amitabh Srivastava

Valedictory Session

Valedictory Address by Prof. Dharmendra Singh, Muscat, Oman

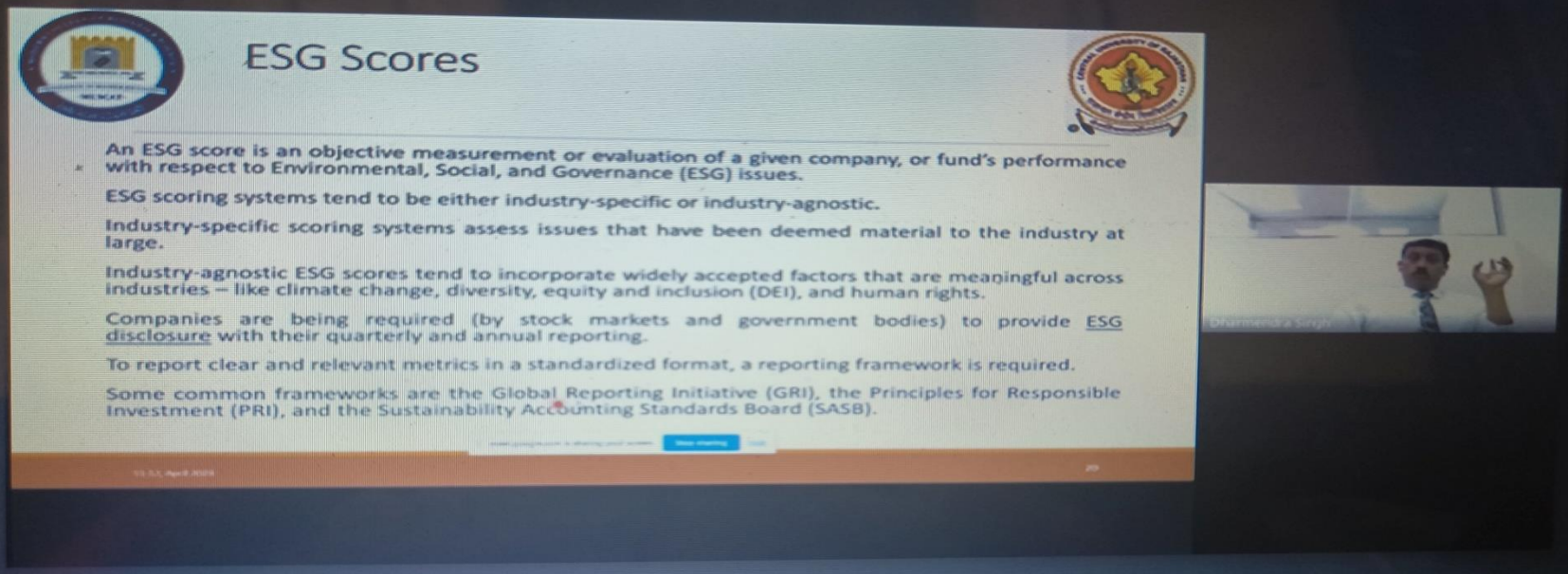

Feedback Sharing by Participants

All Delegates, Participants and Student Volunteers

Participation of SHGs in International Conference: Hon'ble Chief Guest Visiting the Stalls

Participation of SHGs in International Conference

Media Coverage

पत्रिका

केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिभागी करेंगे विचार मंथन

मदनगंज-किशनगढ़ @ पत्रिका. बांदरसिंदरी स्थित राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ग्रोथ, रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी इन एन अनसर्टेन वर्ल्ड विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मंगलवार से शुरू होगा। उद्घाटन समारोह विश्वविद्यालय सभागार में प्रातः 11.30 से आयोजित किया जाएगा।

प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति कुलपति बी.आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स बेंगलुरु एवं मैक्रोइकॉनॉमिक्स, व्यापार और आजीविका पर जी-20/टी 20 टास्क फोर्स के अध्यक्ष इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। प्रो. मुकुल जी. अशर नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सलाहकार गुजरात सरकार, डबल्यूटीओ, डबल्यूएचओ, आई एम एफ और प्रो. चार्ल्स यूजी होरीओका, कोबे विश्वविद्यालय जापान, फेल्डस्टीन होरीओका पजल के पायनियर इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। प्रो. तपस मिश्रा, साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल यूनाइटेड किंगडम एवं प्रो. अमरेश सामंतराय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय से इस संगोष्ठी के कीनोट स्पीकर होंगे।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आनंद भालेराव के नेतृत्व में यह सम्मेलन हो रहा है। प्रोफेसर धर्मेंद्र सिंह, मॉडर्न कॉलेज ऑफ बिजनेस एंड साइंस, मस्कट ओमान इस संगोष्ठी के समापन समारोह के मुख्य अतिथि और प्रो.अमरेश सामंतराय विशिष्ट अतिथि होंगे। सम्मलेन के अध्यक्ष प्रो. जगदीश उल्लास जाधव और सम्मलेन की संयोजक व अर्थशास्त्र विभाग से डॉ. हेमलता मंगलानी ने बताया कि 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन के लिए अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई है।

Date: 11/04/2023, Edition: Kishangarh, Page: 14
Source : https://epaper.patrika.com/

'ग्रोथ, रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी इन एन अनसर्टेन वर्ल्ड' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 11 से 12 अप्रैल को

सत्ता एक्सप्रेस

किशनगढ़ / लक्ष्मण दीया

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी के अर्थशास्त्र विभाग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ग्रोथ, रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी इन एन अनसर्टेन वर्ल्ड पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 11-12 अप्रैल 2023 को आयोजित किया जा रहा है। प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति, कुलपति बी.आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, बेंगलुरु तथा मैक्रोइकॉनॉमिक्स, व्यापार और आजीविका पर जी-20/टी20 टास्क फोर्स के अध्यक्ष इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। प्रो. मुकुल जी. अशर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर, सलाहकार गुजरात सरकार, डबल्यू टी ओ, डबल्यू ऐछओ, आई एम एफ और प्रोफेसर चार्ल्स युजी होरीओका, कोबे विश्वविद्यालय, जापान, फेल्डस्टीन होरीओका पज़ल के पायनियर इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे। प्रोफेसर तपस मिश्रा, साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल यूनाइटेड किंगडम तथा प्रो अमरेश सामंतराय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय से इस संगोष्ठी के कीनोट स्पीकर होंगे। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी के कुलपति प्रो आनंद भालेराव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करते हुए हमें खुशी हो रही है। आज के तेजी से बदलते और अप्रत्याशित वैश्विक परिदृश्य में, यह महत्वपूर्ण है कि हम उन नवीन समाधानों पर चर्चा करने और उनका पता लगाने के लिए एक साथ आएं जो अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए लचीलेपन का निर्माण करते हुए सतत और समावेशी विकास को बढ़ावा देते हैं। सम्मेलन शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं और व्यवसाइयों को अपने ज्ञान, विचारों और अनुभवों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

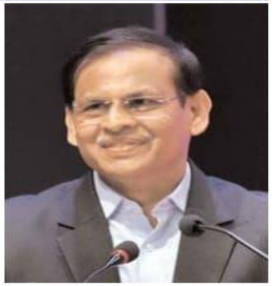

प्रो. धर्मेंद्र सिंह, मॉडर्न कॉलेज ऑफ बिजनेस एंड साइंस, मस्कट, ओमान इस संगोष्ठी के समापन समारोह के मुख्य अतिथि और प्रोफ अमरेश सामंतराय विशिष्ट अतिथि होंगे। अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन के अध्यक्ष प्रो जगदीश उल्लास जाधव और सम्मलेन की संयोजक व अर्थशास्त्र विभाग से डॉ हेमलता मंगलानी ने बताया कि 100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन के लिए अपनी प्रतिभागिता दर्ज की है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का उद्घाटन समारोह 11 अप्रैल 2023 को विश्वविद्यालय सभागार में प्रातः 11:30 से आयोजित किया जायेगा।

Media Coverage

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विकास, लचीलापन और एक अनिश्चित दुनिया में स्थिरता विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

(राजस्थान स्टेटमेन्ट)

जयपुर। अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के विपरीत, जो मुद्रास्फीति की स्थिति को स्थिर कर रही हैं, भारतीय अर्थव्यवस्था वसूली के रास्ते पर है। एफवाई24 तक, जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति पूरे वर्ष के लिए 6 प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है। भारत को बेहतर विकास-मुद्रास्फीति संतुलन और स्थिर वित्तीय क्षेत्र के साथ परेशान वैश्विक अर्थव्यवस्था में उज्ज्वल स्थान के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है, यह बात प्रो एनआर भानुमूर्ति, कुलपति, बी.आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, बेंगलुरु और जी-20/टी20 टास्क फोर्स के अध्यक्ष ने दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए कही। प्रो भानुमूर्ति ने अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में भारतीय अर्थव्यवस्था को नेविगेट करने पर विस्तार से बात की। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आनंद भालेराव, जिनके नेतृत्व में यह सम्मेलन हुआ, ने उल्लेख किया कि राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करने में खुशी हुई और मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, व्यापार जगत के नेताओं और चिकित्सकों को अपने ज्ञान, विचारों और अनुभवों को साझा करने में मदद करेगा। विकास, लचीलापन और एक अनिश्चित दुनिया में स्थिरता विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 11-12 अप्रैल 2023 को आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र की सम्मानित अतिथि प्रोफेसर निकोल बिसेसर, सदर्न न्यू हैम्पशायर यूनिवर्सिटी, यूएसए ने विकास, लचीलापन और स्थिरता के संदर्भ में भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर अपने विचार रखे। उद्घाटन

सत्र के दौरान सभी अतिथियों एवं मंच द्वारा कांफ्रेंस एब्स्ट्रैक्ट बुक (सार पुस्तक) का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन के पहले दिन मुख्य वक्ता प्रो. मुकुल जी. अशर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर, गुजरात सरकार के सलाहकार, डबल्यू टी ओ, डबल्यू एच ओ , आई एम एफ ने एक अनिश्चित दुनिया में अमृतकाल के दौरान एक व्यापक-आधारित विकास उत्पन्न करने की रणनीति पर अपने विचार रखे। उन्होंने उल्लेख किया कि व्यापक राष्ट्रीय शक्ति के बारे में एक तीव्र जागरूकता को प्रौद्योगिकी के महत्व, घर में गहरी ताकत के निर्माण और वैश्विक पदचिह्न के लिए तैयार करने की आवश्यकता है। अमृत काल के दौरान भारत के उदय में योगदान देने के लिए शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों की एक विशेष जिम्मेदारी है। प्रो. चार्ल्स युजी होरीओका फेल्डस्टीन-होरीओका पहेली के अग्रणी हैं और उन्होंने क्या फेल्डस्टीन-होरिओका फाइंडिंग रियली ए पजल, फेल्डस्टीन-होरिओका पहेली 43 साल बाद पर मुख्य वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भले ही वैश्विक वित्तीय बाजार एकीकृत प्रतीत होते हैं, बचत और निवेश के स्तर सभी देशों के बीच सहसंबद्ध हैं क्योंकि वित्तीय बाजार स्वयं वित्तीय पूंजी के शुद्ध हस्तांतरण को प्राप्त नहीं कर सकते हैं। सत्र की अध्यक्षता प्रो. मंजू सिंह, एमएनआईटी, जयपुर और प्रो. अल्पना कटेजा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने की। दोनों सत्र अत्यधिक संवादात्मक थे।

दूसरे दिन की शुरुआत प्रो अमरेश सामंतराय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के मुख्य भाषण से हुई जिन्होंने भारत में सतत विकास के साथ लचीलापन: बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका का आकलन विषय पर अपनी बात कही । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास सिद्धांत लंबे समय तक आर्थिक विकास को बनाए रखने में बचत की भूमिका को रेखांकित करते हैं। बैंक बचत को जुटाने और उसे उत्पादक निवेश में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके पश्चात प्रो. तापस साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल, यूनाइटेड किंगडम ने सामरिक खेल के माध्यम से पुनः इमेजिंग स्थिरता हिस्सेदारी विषय पर अपना कीनोट अड्रेस दिया। दोनों सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा और प्रोफेसर जितेंद्र कुमार, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने की। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. धर्मेंद्र सिंह, मॉडर्न कॉलेज ऑफ बिजनेस एंड साइंस, मस्कट, ओमान ने मुख्य अतिथि के रूप में की। प्रो धर्मेंद्र सिंह ने सतत वित्त और इसके रुझान और प्रगति पर अपने विचार रखे। उन्होंने साझा किया कि कोविड-19 जैसी संकट की स्थिति ने अर्थव्यवस्थाओं और समाजों डिजिटलीकरण में तेजी लाने में मदद की अ इस प्रकार व्यापार निरंतरता की अनुमति द प्रो. जगदीश उल्लास जाधव सम्मेलन अध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग की डॉ हेमलता मंगला सम्मलेन संयोजक व डॉ सुरेश पात्रा, आयोज सचिव ने बताया कि लगभग 150 प्रतिनिधि ने सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के त तकनीकी सत्रों में 101 पेपर प्रस्तुत किए ग दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान, वित्त अ जोखिम क्षमता, आर्थिक विकास अ लचीलापन, जलवायु, भोजन और ऊर्जा, ह वित्त, स्वास्थ्य प्रणाली स्थिरता और लचीला महत्वपूर्ण अवसंरचना, लोग, शिक्षा अ संगठनात्मक लचीलापन, कृषि स्थिरता और चर्चा की गई। आर्थिक विकास, आर्थि लचीलेपन में व्यापार की भूमिका; कृषि स्थिर और आर्थिक विकास, प्रवासी, मंच कार्य अ लचीलापन; और पूर्व और पोस्ट छ्हङ्क्ष्रह्र- महामारी में सामुदायिक लचीलापन, संस्था के कामकाज और शासन व्यवस्था, भारत लचीलापन और समावेशन में सुधार के लि डिजिटल तकनीकों का उपयोग करना अ मशीन लर्निंग दृष्टिकोण, लचीलापन, अ स्वास्थ्य सेवा कार्यबल, और वित्त और जोखि क्षमता आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा हु प्रो. रंजन अनेजा, हरियाणा केंद्र विश्वविद्यालय, प्रो. अपराजिता बिस्वाल, र देवी महिला विश्वविद्यालय, ओडिशा डॉ. सं समीराना पटनायक, डॉ. अलका च आईआईएम सिरमौर, डॉ. घनश्याम पां एसआरएम विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, स्वाति जाधव , स्तंभकार, एवं मानसि स्वास्थ्य में सामाजिक कार्यकर्ता प्रो. एस.ए अम्बेडकर, डॉ. सुभासिस भद्र, डॉ. प्रमं कांबले, डॉ. कुमार संभव पारीक, डॉ. कंदासामी, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय डॉ. संजय गर्ग ने सम्मेलन के तकनीकी स की अध्यक्षता की।

किशनगढ़ नवज्योति
रूपनगढ़ » अराईं » मुहामी » बांदरसिंदरी » तिलोनिया » हरमाड़ा » दसूक

मुद्रास्फीति स्थिर, वसूली के रास्ते पर भारतीय अर्थव्यवस्था

सीयूआर में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विषय विशेषज्ञों ने रखे विचार

इन मुद्दों पर मंथन

दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान, वित्त और जोखिम क्षमता, आर्थिक विकास और लचीलापन, जलवायु, भोजन और ऊर्जा, हरित वित्त, स्वास्थ्य प्रणाली स्थिरता और लचीलापन महत्वपूर्ण अवसंरचना, लोग, शिक्षा और संगठनात्मक लचीलापन, कृषि स्थिरता और पर चर्चा की गई। आर्थिक विकास, आर्थिक लचीलेपन में व्यापार की भूमिका, कृषि स्थिरता और आर्थिक विकास, प्रवासी, मंच कार्य और लचीलापन, और पूर्व और पोस्ट उ 19 महामारी में सामुदायिक लचीलापन, संस्थानों के कामकाज और शासन व्यवस्था, भारत में लचीलापन और समावेशन में सुधार के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग करना और मशीन लर्निंग दृष्टिकोण, लचीलापन, और स्वास्थ्य सेवा कार्यबल, और वित्त और जोखिम क्षमता आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

इन्होंने लिया भाग

सम्मेलन में प्रो. रंजन अनेजा, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. अपराजिता बिस्वाल, रमा देवी महिला विश्वविद्यालय, ओडिशा डॉ. संधा समीराना पटनायक, डॉ. अलका चड्ढा, आईआईएम सिरमौर, डॉ. घनश्याम पांडे, एसआरएम विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, डॉ. स्वाति जाधव, स्तंभकार, एवं मानसिक स्वास्थ्य में सामाजिक कार्यकर्ता प्रो. एस.एन. अम्बेडकर, डॉ. सुभासिस भद्र, डॉ. प्रमोद कांबले, डॉ. कुमार संभव पारीक, डॉ. एस कंदासामी, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. संजय गर्ग ने भाग लिया। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत अपणा पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर किया गया।

समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. धर्मेंद्र सिंह, मॉडर्न कॉलेज ऑफ बिजनेस एंड साइंस मस्कट, ओमान मुख्य अतिथि रहे। प्रो सिंह ने कहा कि कोविड-19 जैसी संकट की स्थिति ने अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के डिजिटलीकरण में तेजी लाने में मदद की और इस प्रकार व्यापार निरंतरता की अनुमति दी। इस दौरान कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. जगदीश उल्लास जाधव कार्यक्रम संयोजक अर्थशास्त्र विभाग की डा. हेमलता मंगलानी व आयोजन सचिव डा. सुरेश पात्रा, ने बताया कि सम्मेलन में 150 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सीयूआर की पीआरओ अनुराधा मित्तल ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दस तकनीकी सत्रों में 101 पेपर प्रस्तुत किए गए।

Media Coverage

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी में 'विकास, लचीलापन और एक अनिश्चित दुनिया में स्थिरता' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

सत्ता एक्सप्रेस

बांदरसिंदरी/ लक्ष्मण दीया। दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए प्रो. एनआर भानुमूर्ति, कुलपति, बी.आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, बेंगलुरु और जी-20/टी20 टास्क फोर्स के अध्यक्ष ने कहा कि अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के विपरीत, जो मुद्रास्फीति की स्थिति को स्थिर कर रही हैं, भारतीय अर्थव्यवस्था वसूली के रास्ते पर है। FY24 तक, GDP विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति पूरे वर्ष के लिए 6 प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है। भारत को बेहतर विकास-मुद्रास्फीति संतुलन और स्थिर वित्तीय क्षेत्र के साथ परेशान वैश्विक अर्थव्यवस्था में 'उज्ज्वल स्थान' के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आनंद भालेराव, ने उल्लेख किया कि राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करने में खुशी हुई और मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, नीति

निर्माताओं, व्यापार जगत के नेताओं और चिकित्सकों को अपने ज्ञान, विचारों और अनुभवों को साझा करने में मदद करेगा। विकास, लचीलापन और एक अनिश्चित दुनिया में स्थिरता विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 11-12 अप्रैल 2023 को आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र की सम्मानित अतिथि प्रोफेसर निकोल बिसेसर, सदर्न न्यू हैम्पशायर यूनिवर्सिटी, यूएसए ने विकास, लचीलापन और स्थिरता के संदर्भ में भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर अपने विचार रखे। उद्घाटन सत्र के दौरान सभी अतिथियों एवं मंच द्वारा कांफ्रेंस एब्स्ट्रैक्ट बुक (सार पुस्तक) का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन के पहले दिन मुख्य वक्ता प्रो. मुकुल जी. अशर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, गुजरात सरकार के सलाहकार, डब्ल्यू टी ओ, डब्ल्यू एच ओ , आई एम एफ ने एक अनिश्चित दुनिया में अमृतकाल के दौरान एक व्यापक-आधारित विकास उत्पन्न करने की रणनीति पर अपने विचार रखे। उन्होंने उल्लेख किया कि व्यापक राष्ट्रीय शक्ति के बारे में एक तीव्र जागरूकता को प्रौद्योगिकी के महत्व, घर में गहरी ताकत के निर्माण और वैश्विक पदचिह्न के लिए तैयार करने की आवश्यकता है। अमृत काल के दौरान भारत के उदय में योगदान देने के लिए शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों की एक विशेष जिम्मेदारी है।

बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका का आकलन विषय पर अपनी बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास सिद्धांत लंबे समय तक आर्थिक विकास को बनाए रखने में बचत की भूमिका को रेखांकित करते हैं। बैंक बचत को जुटाने और उसे उत्पादक निवेश में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके पश्चात प्रो. तापस साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल, यूनाइटेड किंगडम ने सामरिक खेल के माध्यम से पुनः इमेजिंग स्थिरता हिस्सेदारी विषय पर अपना कीनोट अड्रेस दिया। दोनों सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा और प्रोफेसर जितेंद्र कुमार, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने की। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. धर्मेंद्र सिंह, मॉडर्न कॉलेज ऑफ बिजनेस एंड साइंस, मस्कट, ओमान ने मुख्य अतिथि के रूप में की। प्रो धर्मेंद्र सिंह ने सतत वित्त और इसके रुझान और प्रगति पर अपने विचार रखे। उन्होंने साझा किया कि कोविड-19 जैसी संकट की स्थिति ने अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के डिजिटलीकरण में तेजी लाने में मदद की और इस प्रकार व्यापार निरंतरता की अनुमति दी।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

भारतीय अर्थव्यवस्था वसूली के रास्ते पर- प्रो. भानुमूर्ति

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मदनगंज-किशनगढ़. बी.आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, बेंगलुरु के कुलपति एवं जी-20/टी20 टास्क फोर्स के अध्यक्ष प्रोफेसर एन.आर. भानुमूर्ति ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वसूली के रास्ते पर है। एफवाई 24 तक, जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति पूरे वर्ष के लिए 6 प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है।

प्रोफेसर भानुमूर्ति दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में राजस्थान केंद्रीय विवि. में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित कर रहे थे। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव के नेतृत्व में यह सम्मेलन हुआ। उन्होंने कहा कि राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करने में खुशी हुई और विश्वास है कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, व्यापार जगत के नेताओं और चिकित्सकों को अपने ज्ञान, विचारों और अनुभवों को साझा करने में मदद करेगा।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 11 एवं 12 अप्रेल को संपन्न हुआ। उद्घाटन सत्र की सम्मानित अतिथि प्रोफेसर निकोल बिसेसर सदर्न न्यू हैम्पशायर यूनिवर्सिटी यूएसए ने विकास, लचीलापन और स्थिरता के संदर्भ में

किशनगढ़ के बांदरसिंदरी स्थित राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करती वक्ता एवं मंचासीन अतिथि।

अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव।

भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर अपने विचार रखे।

उद्घाटन सत्र के दौरान सभी अतिथियों एवं मंच की ओर से कांफ्रेंस एब्स्ट्रैक्ट बुक (सार पुस्तक) का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन के पहले दिन मुख्य वक्ता प्रोफेसर मुकुल जी. अशर नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर गुजरात सरकार के सलाहकार, डबल्यू टी ओ, डबल्यू एच ओ, आई एम, एफ ने एक अनिश्चित दुनिया में अमृतकाल के दौरान एक व्यापक आधारित विकास उत्पन्न करने की रणनीति पर अपने विचार रखे। प्रोफेसर चार्ल्स युजी होरीओका फेल्डस्टीन होरीओ का पहेली के अग्रणी हैं और उन्होंने फेल्डस्टीन होरिओका फाइंडिंग रियली, पजल, फेल्डस्टीन होरिओका पहेली 43 साल बाद पर मुख्य वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान दिया। सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर मंजू सिंह एमएनआईटी जयपुर और प्रोफेसर अल्पना कटेजा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने की। दोनों सत्र अत्यधिक संवादात्मक थे।

दूसरे दिन की शुरुआत प्रोफेस[र] अमरेश सामंतराय पांडिचे[री] विश्वविद्यालय के मुख्य भाषण [से] हुई। इसके बाद प्रोफेसर ताप[स] साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल यूनाइटे[ड] किंगडम ने सामरिक खेल के माध्य[म] से पुनः इमेजिंग स्थिरता हिस्सेदा[री] विषय पर अपना कीनोट अड्रे[स] दिया। दोनों सत्रों की अध्यक्ष[ता] क्रमशः प्रोफेसर उमाशंकर मिश्[रा] और प्रोफेसर जितेंद्र कुमार ने की।

समापन सत्र की अध्यक्ष[ता] प्रोफेसर धर्मेंद्र सिंह मॉडर्न कॉले[ज] ऑफ बिजनेस एंड साइंस, मस्क[ट] ओमान ने मुख्य अतिथि के रूप [में] की। प्रोफेसर धर्मेंद्र सिंह ने सतत वि[त्त] और इसके रुझान और प्रगति [पर] अपने विचार रखे। प्रोफेसर जगदी[श] उल्लास जाधव सम्मेलन अध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग की हेमलत[ा] मंगलानी, सम्मलेन संयोजक व डॉ सुरेश पात्रा आयोजन सचिव [ने] बताया कि लगभग 150 प्रतिनिधिय[ों] ने सम्मेलन में भाग लिया।

प्रोफेसर रंजन अनेजा हरियाण[ा] केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रोफेस[र] अपराजिता बिस्वाल, रमादेव[ी] महिला विश्वविद्यालय ओडिश[ा] संजा समीराना पटनायक, अल[...] चढडा आईआईएम सिरमौ[र] घनश्याम पांडे एसआरए[...] विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, स्वा[...] जाधव स्तंभकार एवं मानसि[क] स्वास्थ्य में सामाजिक कार्यक[र्ता] प्रोफेसर एस.एन. अम्बेडक[र] सुभासिस भद्र, प्रमोद कांबले, कुम[...] संभव पारीक, एस कंदासाम[ी] राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय [...] संजय गर्ग ने सम्मेलन के तकनीक[ी] सत्रों की अध्यक्षता की।

सभापति ने किया निर्माण कार्यों का उद्घाटन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मदनगंज-किशनगढ़. नगर परिषद के वार्ड संख्या-43 और वार्ड संख्या-5 में बुधवार को विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। सभापति दिनेश सिंह राठौड़ ने वार्ड

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर 24 को

Thank You

With Warm Regards

Dr. Hemlata Manglani
Convener ICECO_GRS'23

Dr. Suresh Kumar Patra
Organizing Secretary ICECO_GRS'23